ईगोर अकीमुश्किन



ऐसे भी जानवर होते हैं





यह देखो – यह एक **रेगिस्तानी बनबिलाव** है। इसे **स्याहगोश** कहते हैं। इसकी खाल पर कोई चित्तियां नहीं होतीं। वह रेगिस्तान की रेत जैसी ही पीला होता है। स्याहगोश जब शिकार के लिए घात लगाता है, तो वह रेत के साथ ऐसे मिल जाता है कि दिखाई ही नहीं देता।



ये अफ़्रीकी बंदर हैं। ये पेड़ों पर रहते हैं। फल और कोमल टहनियां खाते हैं।

अगला चित्र **बैबून बंदर** का है। इसकी गर्दन पर रुपहला अयाल होता है। बैबून बंदर पूर्वी अफ़्रीका में पथरीले टीलों पर रहते हैं। ये ज़मीन से कंदमूल बटोरते हैं, कीड़े-मकोड़े और छिपकलियां पकड़ते हैं। कभी-कभी बैबून झुंड बनाकर बागों और खेतों पर टूट पड़ते हैं।





लंबी-लंबी टांगोंवाले इस जानवर को पहचाना तुमने? हां, यह **चीता** है – सबसे तेज़ दौड़नेवाला जानवर! पता है, यह १२० किलोमीटर प्रति घंटा तक की रफ़्तार से दौड़ सकता है। कुलांचें भरते हिरन तक को जा पकड़ता है।

दाईं ओर जो बघेरा तुम देख रहे हो, उसे **साह** कहते हैं। वह बहुत ऊंचे पहाड़ों में रहता है, जहां बारहों महीने हिम का राज होता है। लेकिन साह के रोयें ख़ूब लंबे-लंबे होते हैं, इसलिए उसे ठंड नहीं लगती।





हिरन की जाति का यह जानवर अफ़्रीका में पाया जाता है। इसे **नीला ग्नू** कहते हैं। इसके दाढ़ी होती है और पूंछ व अयाल घोड़े जैसे होते हैं।

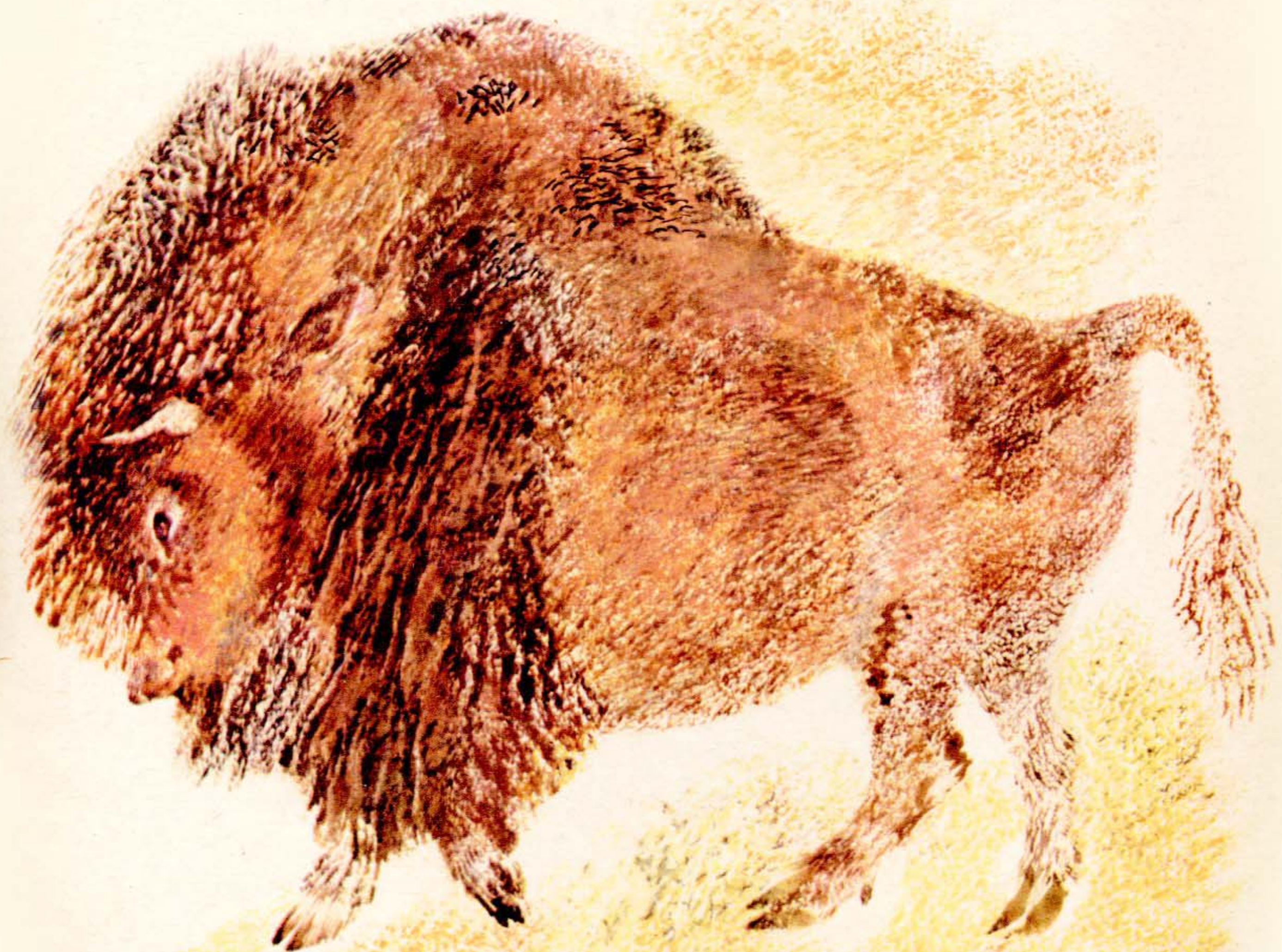
अब अगला चित्र देखो। यह भी हिरन की जाति का ही जंतु है। एल्क नाम का यह जानवर यूरोप और उत्तरी अमरीका में मिलता है। सोवियत संघ में एल्क बहुत हैं। एल्कों को पालतू बनाना आसान है।





इन चित्रों में तुम दो तरह के वन्य वृषभ देख रहे हो – **बाइसन और आरोक्स**, जिसे वाइसेंट भी कहते हैं। आरोक्स यूरोप के जंगलों में पचास-सौ साल पहले तक बहुत बड़ी संख्या में पाये जाते थे। लेकिन अब ये केवल कुछ वनों में ही बचे रह गये हैं, जहां इनकी रक्षा की जाती है।

बाइसन उत्तरी अमरीका के निवासी हैं। कभी यहां इनके झुंड के झुंड चरते थे। अब इनकी संख्या भी बहुत घट गई है और ये संरक्षित वनों में ही पाये जाते हैं।





क्या तुम जानते हो कि **जल-व्याघ्र** भी हिंसक जंतुओं के संबंधी हैं? ये उत्तरध्रुवीय महासागर में रहते हैं, मछली पकड़ते हैं। ये काले, भूरे, चितकबरे – कई तरह के होते हैं। लेकिन बच्चे सबके दूधिया रंग के होते हैं। बच्चे जब कुछ दिन के ही होते हैं तो इनकी खाल का रंग बदलने लगता है।

वालरस भी जल-व्याघ्र ही हैं। ये बहुत बड़े होते हैं और हाथियों की तरह इनके दो बड़े-बड़े दांत बाहर निकले होते हैं। ये उत्तरध्रुवीय प्रदेश के दूर-दराज़ के इलाकों में और चुकोत्का प्रायद्वीप पर रहते हैं।





सफ़ेद भालू भी उत्तरध्रुवीय महासागर में रहता है। यह दूर-दूर तक तैरता है। अक्सर इसे खुले सागर में देखा जा सकता है। यह जल-व्याघ्रों का शिकार करता है।

इसका भाई **भूरा भालू** जंगलों में रहता है। यह सब कुछ खाता है। मधुमक्खियों तक से नहीं डरता, उनके छत्ते तोड़कर शहद खा जाता है।



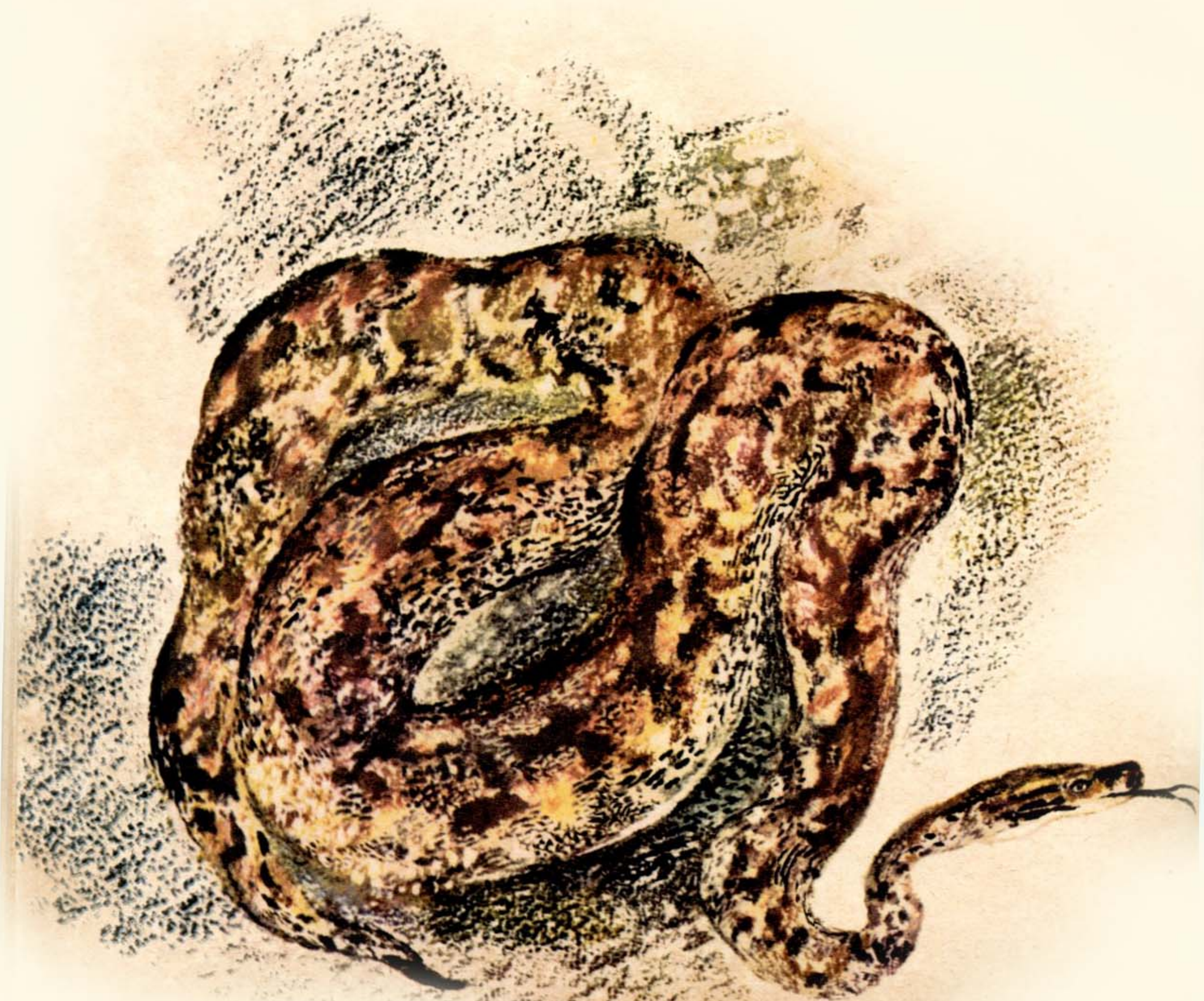
तुम्हें पता है सबसे लंबी जीभ किस जानवर की होती है? यह चित्र देखो। यह **चींटीखोर** है। यह दक्षिणी अमरीका में रहता है। इसकी जीभ पचास सेंटीमीटर लंबी होती है। चीटियां इसकी जीभ पर चिपक जाती हैं और चींटीखोर उन्हें खा जाता है।



अफ़्रीका और एशिया में पाया जानेवाला **पैंगोलिन** भी चींटियां खाता है, पर इसकी जीभ इतनी लंबी नहीं होती। इसकी ख़ूबी यह है कि इसकी पीठ पर बालों की जगह सख़्त सुफने होते हैं। यह कवच इसे हिंसक जंतुओं का शिकार होने से बचाता है। पैंगोलिन के मुंह में दांत नहीं होते, उनके स्थान पर पेट में दांतों जैसे उभार होते हैं।



यह है **अजगर** – दुनिया का सबसे बड़ा सांप । कुछ अजगर तो दस मीटर तक लंबे होते हैं। ये अफ़्रीका और दक्षिणी एशिया में रहते हैं।
अजगर बघेरों और जंगली सूअरों जैसे बड़े जानवरों पर भी हमला कर सकते हैं।





चित्रकार: न॰ चरूशिन

अनुवादक : योगेन्द्र नागपाल



रादुगा प्रकाशन
मास्को



पीपुल्स पब्लिशिंग हाउस (प्रा.) लिमिटेड
५ ई, रानी झांसी रोड, नई दिल्ली-११००५५

И. Акимушкин, Н. Чарушин

РАЗНЫЕ ЗВЕРИ

на языке хинди

I. Akimushkin. N. Charuschin
VARIOUS ANIMALS

in Hindi